Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP, Ludhiana, Shimla, Bihar, Jammu, Jaipur Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9041488440
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No.
PBBIL/26/A0779

'गैंगस्टरों ते वार' के 164वें दिन पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 534 ठिकानों पर छापेमारी; 297 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 3 जुलाई: पंजाब पुलिस ने राज्य को अपराध और नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान 'गैंगस्टरों ते वार' के 164वें दिन शुक्रवार को राज्यभर में एक साथ व्यापक कार्रवाई करते हुए गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित 534 ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने पांच हथियार बरामद किए और 297 लोगों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान शुरू होने के बाद से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 43,127 हो गई है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को शुरू किए गए इस अभियान के तहत एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के समन्वय में सभी जिलों की पुलिस टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। शुक्रवार की कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 206 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई भी की, जबकि दो भगोड़े अपराधियों (पीओ) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

हिमाचल में मानसून का कहर जारी, भूस्खलन और बाढ़ से जनजीवन प्रभावित

शिमला, 3 जुलाई: हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। राज्य के कई जिलों में भूस्खलन, अचानक आई बाढ़ और पहाड़ी क्षेत्रों में मलबा गिरने की घटनाओं के कारण जान-माल का नुकसान हुआ है। विभिन्न स्थानों पर हुई दुर्घटनाओं में कई लोगों की मौत की खबर है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान तेज कर दिया है।

लगातार बारिश के कारण शिमला, मंडी, कुल्लू, चंबा, कांगड़ा और सिरमौर सहित कई जिलों में सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर मलबा आने से यातायात बाधित हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई ग्रामीण इलाकों का संपर्क भी अस्थायी रूप से टूट गया है।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने 'घर-घर सोलर' अभियान को दी नई गति, चंडीगढ़ में पेश किए आधुनिक ऊर्जा समाधान

चंडीगढ़, 3 जुलाई: पंजाब राज्य खाद्य आयोग ने मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उज्बेकिस्तान गणराज्य के साथ संभावित व्यापार एवं निवेश अवसरों पर व्यापक विचार-विमर्श किया। मैग्सीपा में आयोजित इस बैठक का आयोजन इन्वेस्ट पंजाब, पंजाब एग्रो तथा पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के सहयोग से किया गया, जिसमें दोनों क्षेत्रों के बीच दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में यह निष्कर्ष सामने आया कि उज्बेकिस्तान सरकार विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर रही है और पंजाब के लिए वहां व्यापार विस्तार की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। हालांकि, किसी भी बड़े निवेश या निर्यात रणनीति से पहले स्थानीय बाजार की मांग, उपभोक्ता व्यवहार और उत्पादों की स्वीकार्यता का विस्तृत सर्वेक्षण करने पर जोर दिया गया, ताकि व्यापारिक संभावनाओं का वास्तविक आकलन किया जा सके।

पंजाब राज्य खाद्य आयोग के चेयरमैन बाल मुकंद शर्मा ने कहा कि खाद्य क्षेत्र उज्बेकिस्तान में पंजाब के लिए सबसे मजबूत प्रवेश द्वार साबित हो सकता है। उन्होंने विशेष रूप से बासमती चावल, कृषि मशीनरी, ट्रैक्टर, मसाले, सरसों का तेल, पाम तेल, देसी घी, चाय पत्ती, स्किम्ड मिल्क पाउडर, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, जल प्रबंधन तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण तथा मार्कफेड और मिल्कफेड द्वारा निर्मित प्रोसेस्ड फूड उत्पादों के निर्यात की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रोसेस्ड फूड उत्पादों का निर्यात रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उज्बेकिस्तान में कृषि कच्चे माल की उपलब्धता तो पर्याप्त है, लेकिन आधुनिक कोल्ड स्टोरेज और खाद्य प्रसंस्करण अवसंरचना सीमित है। ऐसे में पंजाब का अनुभव और तकनीकी क्षमता दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं।

बैठक में यह भी बताया गया कि उज्बेकिस्तान में 15,000 से अधिक भारतीय छात्र अध्ययन कर रहे हैं, जिससे भारतीय उत्पादों के प्रति वहां पहले से ही एक सकारात्मक माहौल मौजूद है। इसके अलावा दुनिया के चौथे सबसे बड़े सोना उत्पादक देशों में शामिल होने तथा एल्यूमीनियम जैसी दुर्लभ धातुओं से समृद्ध होने के कारण उज्बेकिस्तान मध्य एशिया का एक उभरता हुआ आर्थिक केंद्र बनकर सामने आया है।

विचार-विमर्श के दौरान पंजाब से निर्यात किए जाने वाले उत्पादों के लिए उपयुक्त डिस्चार्ज पोर्ट, परिवहन मार्ग, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक प्रभावी बनाने के विकल्पों पर भी विस्तार से चर्चा की गई, ताकि निर्यात लागत कम हो और व्यापार को प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

ताशकंद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े एआई विशेषज्ञ, उज्बेकिस्तान के वीजा रेजिडेंट तथा एकॉर्प ग्लोबल टेक के जनरल डायरेक्टर योगेश कुमार ने कहा कि मध्य एशिया पंजाब के उद्योगों और कृषि आधारित उद्यमों के लिए एक नया और तेजी से विकसित होता बाजार है। उन्होंने बताया कि उज्बेकिस्तान में डिजिटल परिवर्तन तेज गति से आगे बढ़ रहा है|

पंजाब में मशरूम खेती को बढ़ावा: किसानों को उत्पादन इकाई स्थापित करने पर 80 हजार रुपये तक की सब्सिडी

चंडीगढ़, 3 जुलाई: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार नई पहल कर रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-साथ बागवानी और वैकल्पिक कृषि गतिविधियों की ओर आकर्षित करने के लिए मशरूम उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बागवानी विभाग, पंजाब द्वारा स्टेट प्लान स्कीम के तहत किसानों को मशरूम उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए 80 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने बताया कि मशरूम की खेती आज के समय में किसानों के लिए कम लागत और अधिक लाभ वाला व्यवसाय बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि लगभग दो लाख रुपये की लागत से एक छोटी मशरूम उत्पादन इकाई स्थापित की जा सकती है, जिस पर विभाग द्वारा 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत किसानों को अधिकतम 80 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे शुरुआती निवेश का बोझ काफी कम हो जाता है।

उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके लिए अधिक भूमि या पानी की आवश्यकता नहीं होती।

बदलते जलवायु परिदृश्य और घटते जल संसाधनों के बीच यह खेती किसानों के लिए एक टिकाऊ और लाभदायक विकल्प साबित हो सकती है। कम जगह में अधिक उत्पादन और बाजार में इसकी लगातार बढ़ती मांग के कारण मशरूम उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन के क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे ग्रामीण युवाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए मोहिंदर भगत ने बताया कि इच्छुक किसान अपने नजदीकी जिला बागवानी अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

पंजाब में बुजुर्गों के लिए मजबूत सुरक्षा कवच बनी 'एल्डरलाइन 14567', 2.5 लाख से अधिक कॉलों का समाधान

चंडीगढ़, 3 जुलाई: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए 'एल्डरलाइन 14567' के माध्यम से बुजुर्गों के लिए सहायता सेवाओं को लगातार मजबूत कर रही है। यह टोल-फ्री हेल्पलाइन राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को समय पर सहायता, कानूनी मार्गदर्शन, परामर्श, पुनर्वास और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने का एक प्रभावी माध्यम बन चुकी है।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि 'एल्डरलाइन 14567' आज पंजाब के लाखों बुजुर्गों के लिए भरोसे का केंद्र बन गई है। उन्होंने कहा कि अब तक राज्यभर से प्राप्त 2.5 लाख से अधिक कॉलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। इसके अलावा हेल्पलाइन के माध्यम से 91 बेसहारा एवं जरूरतमंद बुजुर्गों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाया गया है। वहीं बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा और भरण-पोषण (मेंटेनेंस) से जुड़े 1,000 से अधिक मामलों का समाधान कर प्रभावित वरिष्ठ नागरिकों को समय पर राहत दिलाई गई है।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। ऐसे में प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और समय पर सहायता मिलना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार इस दिशा में पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है ताकि राज्य का कोई भी बुजुर्ग स्वयं को अकेला, असहाय या उपेक्षित महसूस न करे। उनके अनुसार 'एल्डरलाइन 14567' केवल एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि जरूरत की घड़ी में भरोसेमंद साथी के रूप में कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि पंजाब में इस हेल्पलाइन का संचालन सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंजाब, हेल्पएज इंडिया तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) के त्रिपक्षीय समझौते के तहत किया जा रहा है।

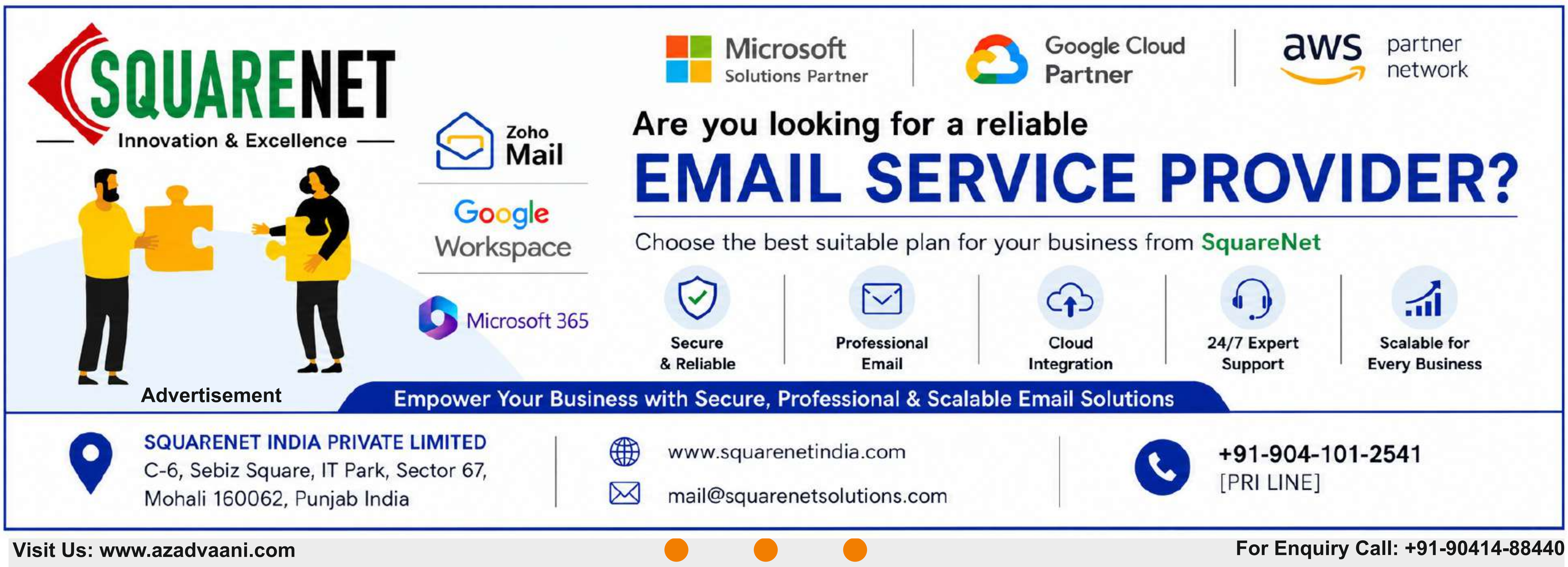

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015

Printed by: Desh Sewak Printers Limited, Sector-29-D, Chandigarh – 160030 and Published by: Shafiur Rahman from #2111 SF, TDI City, Sector-110, Mohali, Sahibzada Ajit Singh Nagar, Punjab – 140307. Owner, Publisher & Chief Editor: Shafiur Rahman. Title Verification Number: PBBIL/26/A0779. Periodicity: Monthly.